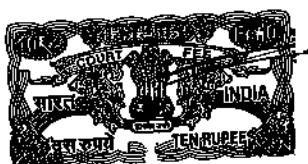


५३

M-5068 अ/16

न्यायालय श्रीमान सदस्य राजस्व मण्डल सर्किट कोर्ट रीवा, म.प्र.



श्री. सुनील कुमार सिंगरौल
दाता गांव दिनांक 11.2.16 एड
प्रस्तुत किया गया S. 200. M
गवर्नर कोर्ट रीवा

विनोद

— आवेदिका

बनाम

विजय वर्गेरह

— अनावेदकगण

आवेदन पत्र बावत प्रकरण को पुनर्स्थापित कर
सुनवाई में लिये जाने बाबत

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 35 (3) म.प्र. भू-रा.सं.

मान्यवर,

आवेदन पत्र के आधार निम्न हैं:-

- 1— यह कि उक्त उन्मान का प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है, जो आज दिनांक को नियत था।
- 2— यह कि आवेदक / अधिवक्ता अन्य न्यायालय में व्यस्त होने के कारण पुकार के समय मानू. न्यायालय के समक्ष उप. नहीं हो सके, ऐसी स्थिति में मानू. न्याया. द्वारा प्रकरण को अदम पैरवी में खारिज कर दिया गया।
- 3— यह कि आज ही पुनर्स्थापन बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है। जानबूझकर उप० हेतु लापरवाही नहीं की गई है, बल्कि पुकार के समय अन्य न्यायालय में व्यस्त होने के कारण अधिवक्ता उप० नहीं हो सके, ऐसी स्थिति में प्रकरण को पुनर्स्थापित किया जाना न्यायित में आवश्यक है, अन्यथा आवेदक को अपूर्तनीय क्षति होगी और आवेदक न्याय प्राप्त करने से वंचित हो जायेगा।

अस्तु श्रीमान जी से निवेदन है कि प्रकरण को पुनर्स्थापित कर पुनः सुनवाई किये जाने की महान कृपा की जाय।

आवेदक

विनोद

द्वारा / अधि.

दिनांक—11.2.16

सुनील कुमार सिंगरौल, एड. रीवा

M 5068-III/16

लिखा चाहता है

12-2/16

1- प्रकारा प्रस्तुत /

2. ओवेंट की ओर से नीं सुनीत कमाट सिंगलें
ए. उपर।

3. ओवेंट अधिमासक के द्वारा मूल प्रकारा कमाट
R. 166-हीन 113 अद्य परेष्ठ दिनांक 11-2-16
के पुनरुत्पादन ओवेंट पर सुना गया लपा प्रस्तुत
का अपेक्षन किए।

4. अन्यों अधिमासक नीं अजनी सोनी चापातुप
में उपायीर इहे किन्तु पुनरुत्पादन ओवेंट का
प्राप्त प्राप्त करने से इच्छाएँ किए।

5. ओवेंट अधिमासक द्वारा वहां गया कि
मूल प्रकारा में दिनांक 11-2-16 को उपायीर
होने में जलबूफकर लापत्वाली नहीं की गयी है।
वज्रक प्रकार के तथा अप्प चापातुप हेंपल
होने के बारे उपायीर नहीं हो सका। यदि
ओवेंट अधिमासक द्वारा दिनांक 11-2-16 को
पुनरुत्पादन ओवेंट प्रस्तुत किया गया है तो
अन्यों अधिमासक नीं अजनी सोनी को
इसकी जानकारी नहीं ताका उसने ओवेंट की
प्रति धारा नहीं की गयी। — ओवेंट द्वारा
प्रस्तुत पुनरुत्पादन ओवेंट दिनांक 11-2-16 ताप-
लीना में प्रस्तुत किया गया है। अतएव
मूल प्रकारा दुमांक R-1666-हीन 113 अद्य परेष्ठ
दिनांक 11-2-16 पुनरुत्पादन में किया जाए है।
तद्दुतांक मूल प्रकारा में आगे की कार्यवाची
की जाए।

6. प्रणाल पक्की से लाद होकर दूर हो।

20/11/2016

सदाचार